जल्द आने वाला है नन्हा मेहमान

लॉकडाउन के दौरान हार्दिक ने नताशा के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की। उन्होंने साथ ही प्रेग्नेंट नताशा के साथ फोटो भी पोस्ट की और जल्दी पिता बनने की खुशखबरी भी फैन्स को बताई।

नताशा से सगाई की खबर मम्मी–पापा को भी नहीं थी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हार्दिक पंड्या ने बताया, नताशा से सगाई की खबर मम्मी–पापा को भी नहीं थीसर्बिया की मॉडल–ऐक्ट्रेस नताशा स्टैनकोविच से हार्दिक ने 1 जनवरी 2020 को सगाई की। अब दोनों शादी के बंधन में बंध चुके हैं और जल्दी ही उनके घर नन्हा मेहमान आने वाला है।

सगाई के बारे में मम्मी–पापा को नहीं थी जानकारी क्रिकबज के एक शो में हार्दिक पंड्या ने बताया कि उनकी और नताशा की सगाई के बारे में माता–पिता को भी कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा, दुबई में मेरी और नताशा की सगाई के बारे में मम्मी–पापा भी नहीं जानते थे। सगाई से दो दिन पहले मैंने केवल अपने भाई क्रुणाल को इस बारे में बताया था।

शादी की खबर भी सोशल मीडिया पर: हार्दिक ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें पोस्ट कर एक और खुशखबरी दी। अब वह नताशा स्टैनकोविच के साथ शादी के बंधन में बंध चुके हैं और जल्दी ही उनके घर नन्हा मेहमान आने वाला है। 26 साल के हार्दिक ने बताया कि जब वह नताशा से पहली बार मिले थे, तब इस ऐक्ट्रेस को उनके बारे में कुछ नहीं पता था। उन्होंने कहा, मैं उनसे (नताशा) बात कर रहा था और वह नहीं जानती थीं कि मैं कौन हूं।

उथप्पा बालकनी से कूदकर करना चाहते थे आत्महत्या

'मैंने एक इंसान के तौर पर खुद को समझने की प्रक्रिया शुरू की

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत की 2007 टी20 विश्व कप विजेता टीम के अहम सदस्य रहे रॉबिन उथप्पा ने बताया कि अपने करियर में वह दो साल तक अवसाद और आत्महत्या के ख्यालों से जूझते रहे जब क्रिकेट ही एकमात्र वजह थी जिसने उन्हें 'बालकनी से कूदने' से रोका। भारत के लिए 46 वनडे और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके उथप्पा को इस साल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स ने तीन करोड़ रुपये में खरीदा था। कोरोना वायरस महामारी के कारण आईपीएल स्थगित कर दिया गया है।

उथप्पा ने रॉयल राजस्थान फाउंडेशन के लाइव सत्र 'माइंड , बॉडी एंड सोल' में कहा, 'मुझे याद है 2009 से 2011 के बीच यह लगातार हो रहा था और मुझे रोज इसका सामना करना पड़ता था। मैं

उस समय क्रिकेट के बारे में सोच भी नहीं रहा था।' उन्होंने कहा, 'मैं सोचता था कि इस दिन कैसे रहूंगा और अगला दिन कैसा होगा , मेरे जीवन में क्या हो रहा है और मैं किस दिशा में आगे जा रहा हूं। क्रिकेट ने इन बातों को मेरे जेहन से निकाला। मैच से इतर दिनों या आफ सीजन में बड़ी दिक्कत होती थी।'

उथप्पा ने कहा, 'मैं उन दिनों में इधर–उधर बैठकर यही सोचता रहता था कि मैं दौड़कर जाऊं और बालकनी से कूद जाऊं। लेकिन किसी चीज ने मुझे रोके रखा।'

उथप्पा ने कहा कि इस समय उन्होंने डायरी लिखना शुरू किया। उन्होंने कहा, 'मैंने एक इंसान के तौर पर खुद को समझने की प्रक्रिया शुरू की। इसके बाद बाहरी मदद ली ताकि अपने जीवन में बदलाव ला सकूं।'

इसके बाद वह दौर था जब ऑस्ट्रेलिया में भारत–ए की कप्तानी के बावजूद वह भारतीय टीम में नहीं चुने गए। उन्होंने कहा, 'पता नहीं क्यों, मैं कितनी भी मेहनत कर रहा था लेकिन रन नहीं बन रहे थे।मैं यह मानने को तैयार नहीं था कि मेरे साथ कोई समस्या है। हम कई बार स्वीकार नहीं करना चाहते कि कोई मानसिक परेशानी है।' इसके बाद 2014–15 रणजी सत्र में उथप्पा ने सर्वाधिक रन बनाए।

उन्होंने अभी क्रिकेट को अलविदा नहीं कहा है लेकिन उनका कहना है कि अपने जीवन के बुरे दौर का जिस तरह उन्होंने सामना किया, उन्हें कोई खेद नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे अपने नकारात्मक अनुभवों का कोई मलाल नहीं है क्योंकि इससे मुझे सकारात्मकता महसूस करने में मदद मिली। नकारात्मक चीजों का सामना करके ही आप सकारात्मकता में खुश हो सकते हैं।'

मुशफिकुर को शेर–ए–बांग्ला स्टेडियम में नहीं मिली प्रैक्टिस की इजाजत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने पूर्व कप्तान मुशफिकुर रहीम और अन्य सीनियर खिलाड़ियों की मीरपुर के शेर–ए–बांग्ला स्टेडियम में प्रैक्टिस शुरू करने की इजाजत नहीं दी। घातक कोरोना वायरस महामारी के चलते सुरक्षा चिंताओं को लेकर ऐसा किया गया।

बीसीबी ने कहा कि अभी मीरपुर स्टेडियम को पूरी तरह से संक्रमण मुक्त नहीं किया गया है। बीसीबी के मुख्य कार्यकारी निजामुद्दीन चौधरी ने 'क्रिकबज' से कहा, 'मुशफिकुर ने हमसे संपर्क किया था। वह अभ्यास शुरू करना चाहते थे लेकिन हमने उनसे कहा कि अभी सुरक्षित समय नहीं है। वह घर पर ही अभ्यास करें। प्रैक्टिस जरूरी है लेकिन खिलाड़ियों की सुरक्षा सबसे अहम है।'

उन्होंने कहा, 'कुछ और खिलाड़ी अभ्यास शुरू करना चाहते थे लेकिन हमारा संदेश सबके लिए समान है। हम अपने स्टेडियमों को संक्रमण मुक्त कर रहे हैं लेकिन अभी यह काम पूरा नहीं हुआ है।' बांग्लादेश में कोरोना वायरस संक्रमण के 55 हजार से ज्यादा मामले पाए गए हैं और 746 लोगों की मौत हो चुकी है।

चौधरी ने कहा, 'हम जल्दबाजी नहीं कर सकते। कई देशों में क्रिकेट बहाल हो रहा है। हम भी करेंगे लेकिन अभी तारीख नहीं बता सकते।'

कप्तानी के लिए क्यों आगे नहीं आना चाहते डीन एल्गार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) केपटाउन। साउथ अफ्रीकाई टेस्ट टीम के लिए एक कप्तान की जरूरत है, क्योंकि इसी साल प्रोटियाज टीम के दिग्गज खिलाड़ी फाफ डुप्लेसिस ने टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था। हर किसी टीम में ये एक ऐसा पद होता है, जिसे भरने के लिए बोर्ड और मैनेजमेंट को काफी माथापच्ची करनी होती है। इसी को लेकर साउथ अफ्रीकाई टीम के दिग्गज खिलाड़ी डीन एल्गार का मानना है कि कप्तानी एक ऐसी चीज है, जो हिरार्की (भ्पमतंतबील) से तय होती है, न कि जिसके लिए खिलाड़ियों को नौकरी के लिए साक्षात्कार की तरह आवेदन करना होता है।

फाफ डुप्लेसिस के कप्तानी से इस्तीफा दिए जाने के बाद कई क्रिकेटर इस पद को हासिल करना चाहते हैं और इसकी जुगत में भी लगे हुए हैं। एडन मार्क्रम और केशव महाराज ने इसके लिए बयान भी दे दिया है कि वे टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं, लेकिन डीन एल्गार की कुछ अलग ही राय है। उनका मानना है कि लोगों को हाई प्रेशर वाली नौकरी के लिए हाथ उठाकर खुद को उजागर नहीं करना चाहिए।

न्यूज डायरी

बीसीए ने निलंबन लिया वापस लेकिन महिला टीम के कोच पद से बर्खास्त बेदाड़े

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वडोदरा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अतुल बेदाड़े को बड़ौदा क्रिकेट संघ (बीसीए) ने महिला टीम के कोच पद से बर्खास्त कर दिया है लेकिन उनके निलंबन को वापस ले लिया है। कुछ खिलाड़ियों ने बेदाड़े पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे जिसके बाद उन्हें निलंबित किया गया। बीसीए के सचिव अजित लेले ने बुधवार को पीटीआई से इसकी पुष्टि की। मंगलवार को हुई शीर्ष परिषद की बैठक के दौरान इस मामले पर चर्चा हुई। बेदाड़े को इस साल मार्च में जांच पूरी होने तक निलंबित किया गया था। कई खिलाड़ियों ने उन पर यौन उत्पीड़न और सार्वजनिक रूप से अपमानित करने के आरोप लगाए थे। बीसीए ने कहा, 'सीनियर महिला टीम के मुख्य कोच बेदाड़े के खिलाफ शिकायत मिली थी। इस मामले में सीईओ और सीनियर एचआर मैनेजर ने शुरुआती जांच की। दो जून 2020 को हुई शीर्ष परिषद की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई।

'लिमिटेड ओवर' क्रिकेटर के रूप में सीमित नहीं रहना चाहताः बिलिंग्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज सैम बिलिंग्स ने कहा कि वह महज सफेद गेंद का क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी नहीं बनना चाहते। उन्होंने साथ ही टेस्ट फॉर्मेट में खेलने की इच्छा जताई है। बिलिंग्स ने अपने करियर के शुरुआत में जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने का फैसला किया था, तब वह टेस्ट मैचों में खेलने के इच्छुक नहीं थे। इंग्लैंड के इस 28 साल के क्रिकेटर ने कभी भी टेस्ट मैच नहीं खेला, वह 15 वनडे और 26 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच अभी तक खेल चुके हैं। कंधे की चोट के कारण वह पिछले साल टीम की वर्ल्ड कप खिताबी जीत का हिस्सा नहीं बन सके थे। बिलिंग्स ने 'क्रिकइन्फो' से कहा, 'इसके लिए (वाइट बॉल क्रिकेट तक सीमित रहने को) मैं खुद के अलावा किसी और को दोषी नहीं मानता। मुझे लगता है कि टेस्ट टीम में भी काफी मौके हैं, विशेषकर एक बल्लेबाज के रूप में और साथ ही विकेटकीपिंग स्थान के लिए भी। मैं सिर्फ सफेद गेंद के खिलाड़ी के रूप में सीमित नहीं होना चाहता, मैं इससे भी बेहतर हूं।'

मंत्रालय ने समयसीमा 22 जून तक बढ़ाई, स्वयं नामांकन की अनुमति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए आवेदन जमा करने की तारीख 22 जून तक बढ़ा दी है। इसके साथ ही कोरोना वायरस महामारी के कारण लागू लॉकडाउन में प्रस्तावक मिलने में होने वाली कठिनाइयों के मद्देनजर खिलाड़ियों को स्वयं के नामांकन की अनुमति भी दे दी है। नामांकन प्रक्रिया पूरी करने का बुधवार को आखिरी दिन था लेकिन समय सीमा बढ़ा दी गई। इसके साथ ही प्रक्रिया में भी रियायत दी गई है। मंत्रालय के एक सर्कुलर में कहा गया, 'हमने पुरस्कार योजना में अधिकारियों या व्यक्तियों की अनुशंसा पर भेजे गए आवेदन ही जमा करने का नियम खत्म कर दिया है। फॉर्म में इस हिस्से को खाली छोड़ा जा सकता है।' मंत्रालय ने महामारी के कारण इस साल सिर्फ ईमेल से आवेदन मंगवाए थे। खेल पुरस्कार आवेदन के नियमों के तहत वे ही आवेदन मान्य होते हैं जिनके लिए राष्ट्रीय महासंघ, खेल बोर्ड या पूर्व पुरस्कार विजेताओं ने अनुशंसा की हो।

आईपीएल 2020 को देश से बाहर कराने को तैयार है बीसीसीआई !

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आईपीएल 2020 का आयोजन हो पाएगा या नहीं इस पर संशय बना हुआ है, लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड यानी बीसीसीआइ हर उस विकल्प को तलाश रहा है जिससे की इस लीग का कराया जा सके। बोर्ड का मानना है कि इस साल कोई भी विंडो मिले और अगर विदेश में भी इसे कराना पड़े तो वो राजी है। बीसीसीआई को कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा कि हमारे खिलाड़ी आइपीएल भारत में ही खेलें तो ये ज्यादा सुरक्षित है और यही हमारी पहली प्राथमिकता भी है, लेकिन परिस्थिति अगर सही नहीं होती है तो हमारे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता है। हमारे पास एक विंडो उपलब्ध है और हम आइपीएल 2020 को बाहर भी आयोजित कर सकते हैं।